MR. CHAIRMAN : Let us take it up separately ...(*Interruptions*)... This is not a matter for discussion in the House. Now, let us proceed with the Question Hour.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Schemes for handloom sector and weavers

*561. SHRIMATI KUSUM RAI : Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) the details of schemes announced and implemented by Government for handloom sector and handloom weavers during 2012-13;

(b) whether Government has started three weavers' service centres in Nagaland, Mizoram and Jharkhand during 2012-13;

(c) if so, the details thereof;

(d) whether Government has announced setting up of handloom clusters in Andhra Pradesh and Maharashtra during 2012-13;

(e) if so, the details thereof; and

(f) the reasons for not setting up of weavers' service centres and handloom clusters in eastern Uttar Pradesh and Madhya Pradesh where millions of weavers/ hand loom weavers are working?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI ANAND SHARMA) : (a) to (f) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) In the Budget speech for 2012-13, the Finance Minister has announced the following initiatives for the handloom sector:

(i) two mega handloom clusters, one of which is in Andhra Pradesh covering Prakasam and Guntur districts, and the other one is in Jharkhand covering Godda and neighbouring districts;

(ii) three new Weavers' Service Centres, one each in Mizoram, Nagaland and Jharkhand ;

(iii) to provide assistance for setting up of dormitories for women workers in 5 mega clusters relating to handloom, powerloom and leather sectors.

In addition, the Government of India is implementing the following schemes in 2012-13 for the Handloom Sector:

(i) "Revival, Reform and Restructuring Package for Handloom Sector" for loan waiver was approved on 24.11.2011 with a total financial implication of Rs.3884 crore, of which the Government of India's share is Rs.3137 crore and the share of the State Governments is Rs.747 crore, benefitting about 15000 handloom weavers' cooperative societies and about 3 lakh handloom weavers across the country. The package aims at waiving the overdues of individual handloom weavers and their eligible cooperative societies as on 31.3.2010, and providing them with fresh credit at subsidized rates of interest.

(ii) The second package is a Comprehensive Package for Handloom Sector for addressing the two critical needs of subsidized credit and cheap yarn with an outlay of Rs. 2362 crore. The handloom weavers and their cooperative societies who are not benefited under the financial package of loan waiver are provided with cheap credit and covered under the Comprehensive Package. Credit related interventions are operationalized through Integrated Handloom Development Scheme and these interventions are (i) Issuance of Weaver Credit Cards (ii) Interest Subvention @ 3% for three years on fresh loan sanctioned, (iii) Margin Money @ Rs. 4200 per individual weaver (but not for cooperative societies), and (iv) Credit Guarantee for three years. The package also provides for supplying subsidized yarn with 10% price subsidy under Mill Gate Price Scheme with enhanced freight reimbursement rates to ensure that yarn is available to handloom sector in the country.

(iii) In addition to the above, five plan schemes of 11th Plan are being continued during 2012-13 for the development of the handloom sector and welfare of handloom weavers. These are Integrated Handloom Development Scheme; Handloom Weavers Comprehensive Welfare Scheme; Marketing & Export Promotion Scheme; Mill Gate Price Scheme; and Diversified Handloom Development Scheme.

(b) and (c) At present, 25 Weavers' Service Centres (WSCs) are functioning in various parts of the country. Furthermore, 3 new WSCs in Nagaland, Mizoram and Jharkhand have been approved by the Government in the Budget for 2012-13.

(d) and (e) In the Budget for 2012-13, the Finance Minister has sanctioned two mega handloom clusters, one to cover Prakasam and Guntur districts in Andhra Pradesh and the other for Godda and neighboring districts in Jharkhand. In addition, in the State of Andhra Pradesh, 54 handloom clusters and 352 Group Approach Projects have been sanctioned from 2006- 07 to 2011-12. Likewise in Maharashtra, 6 clusters and 54 Group Approach Projects have been sanctioned from 2007-08 to 2011-12. The

implementation of the clusters and group approach projects is continuing in 2012-13 also.

(f) Two Weavers' Service Centres are functioning at Varanasi and Meerut in Uttar Pradesh. Likewise, one Weavers' Service Centre is functioning at Indore to take care of technical needs of the handloom weavers in the State of Madhya Pradesh.

Further, in the State of Uttar Pradesh, one mega handloom cluster at Varanasi, 54 other clusters and 334 Group Approach Projects have been sanctioned from 2006-07 to 2011-12. Likewise in Madhya Pradesh, 18 clusters and 7 Group Approach Projects have been sanctioned during the same period. The implementation of these clusters and group approach projects is continuing in 2012-13 also.

श्रीमती कुसुम राय : माननीय सभापति जी, माननीय मंत्री जी ने उत्तर में बहुत से प्रदेशों के बारे में चर्चा की है, लेकिन मेरा जाना ज्यादातर पूर्वी उत्तर प्रदेश में होता है। वहाँ पर 500 वर्ष पहले से बुनकर कार्यरत हैं और बुनकरों का खानदानी काम होता है। मुझे लगता है कि इस सदन में कई सदस्यों ने बुनकरों की समस्या को उठाया है और लोक सभा में भी कई सदस्यों ने इसे उठाया है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह भी कहना चाहती हूँ कि ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप सवाल पूछ लीजिए।

श्रीमती कुसुम राय : जी, मैं सवाल पर ही आ रही हूँ। मैं मंत्री जी से कहना चाहती हूँ कि अभी पिछले चुनाव में भी आपके एक पदाधिकारी पूर्वी उत्तर प्रदेश के बुनकरों के लिए एक विशेष पैकेज की घोषणा करके आए हैं। मैं आपसे यह कहना चाहती हूँ कि बनारस की विश्व विख्यात बनारसी साड़ी का कार्य बुनकरों द्वारा बनारस, मऊ और गाजीपुर, इन तीनों जिलों में होता है। आज 10 लाख बुनकर घर छोड़ने के लिए मजबूर हो गए हैं, वे मजदूरी कर रहे हैं, रिक्शा चला रहे हैं और सड़कों पर आकर मजदूरी का काम कर रहे हैं। मैं आपको यह बताना चाहती हूँ कि कई बार आत्महत्या की भी खबरें हमें सुनने को मिली हैं। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहती हूँ कि क्या केन्द्र सरकार चीन से होने वाले आयात पर कोई प्रतिबन्ध लगाने का विचार कर रही है, क्योंकि चीन से आकर लोग वहाँ बनारसी साड़ियों का सौदा करते हैं?

श्री आनन्द शर्मा : माननीय सभापति महोदय, माननीय सदस्या का जो मुख्य प्रश्न है, वह सरकार की उन योजनाओं से सम्बन्धित है, जो सरकार ने 2012-13 के दौरान हैंडलूम सेक्टर के लिए और बुनकरों के लिए लागू की हैं। मैंने उसका विस्तृत ब्यौरा उत्तर में दिया है, योजनाओं का भी और वित्त मंत्री जी ने 2012-13 के बजट में जो घोषणा की है, उसका भी। इसमें दो बड़े मेगा हैंडलूम क्लस्टर्स हैं, एक आन्ध्र प्रदेश में और एक झारखंड में। तीन राज्यों के अन्दर वीवर्स सर्विस सेंटर्स बन रहे हैं। उसके साथ-साथ वीमेन वर्कर्स के लिए मेगा क्लस्टर में डॉरमिटरीज़ स्थापित करने के लिए सहायता प्रदान की जा रही है। इनके प्रश्न के उत्तर में मैंने यह बताया है कि दो योजनाओं के लिए सरकार ने हस्तक्षेप करने का निणर्य किया है। माननीय सदस्या का यह कहना सही है कि बुनकरों की समस्या एक चिन्ता का विषय है, विशेषकर उनकी कर्ज माफी और उनको कर्ज ऐसे सस्ते दर पर मिलना, जिससे उनका व्यवसाय बना रहे। इसके लिए सरकार के कैबिनेट के दो बड़े निर्णय किए हैं। एक तो रिवाइवल और रिफॉर्म के लिए 3,884 करोड़ रुपए का पैकेज है, जिसमें कोऑपरेटिव सोसायटीज़ और कोऑपरेटिव सोसायटीज़ के अलावा बुनकरों के लिए अलग से प्रावधान किया गया है, जिन्होंने कोऑपरेटिव सोसायटीज़ के माध्यम से नहीं, बल्कि सीधा कर्ज लिया है, उस कर्ज की माफी के लिए। इसकी घोषणा की जा चुकी है और राज्य सरकारों के सहयोग से इसको इम्प्लिमेंट किया जा रहा है। राज्य सरकारों

के साथ केन्द्र सरकार का भी उस MoU पर साइन करना आवश्यक है। पाँच राज्यों ने MoU पर साइन कर दिया है और 24 राज्यों ने अपना Letter of Commitment दे दिया है। इसके लिए Development Commissioner, Handlooms और उसके अधिकारियों के द्वारा पूरे देश के अन्दर बुनकरों के कैम्प लगाए जा रहे हैं, जिसमें उत्तर प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश शामिल हैं।

इसके साथ-साथ मैगा क्लस्टर्स की बात की गई, तो पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए वाराणसी में हैंडलूम का मैगा क्लस्टर दिया गया है और उसको इम्प्लिमेंट किया जा रहा है। इसके साथ वीवर्स से ही सम्बन्धित कालीन का काम, कार्पेट्स का काम है, हालांकि यह हैंडिक्राफ्ट में आ जाता है, उसके लिए सरकार ने कार्पेट का क्लस्टर भी दिया है। इस योजना का जो पैकेज दिया है, उसे सही रूप में इम्प्लिमेंट करने के लिए हम इसकी समीक्षा भी कर रहे हैं।

दूसरा, कैबिनट ने एक फैसला भी किया है, जिसके अनुसार एक स्कीम के तहत कर्जे के लिए केन्द्र सरकार की तरफ से मार्जिन मनी भी दी जाएगी। वह कर्ज इंटरेस्ट की सस्ती दर पर दिया जाएगा। इसके साथ केन्द्र सरकार क्रेडिट गारंटी भी देगी, जिससे बुनकरों पर उसका कोई बोझ नहीं पड़ेगा।

इसके साथ चीन से सिल्क के आयात और उस पर बैन लगाने से सम्बन्धित दूसरा प्रश्न जो आपने पूछा है, मैं बड़ी विनम्रता से यह बात कहना चाहता हूं कि वह इस प्रश्न से बिल्कुल भी सम्बन्धित नहीं है।

श्रीमती कुसुम राय : माननीय सभापति जी, मैंने जो प्रश्न पूछा है, उसका माननीय मंत्री जी ने जो उत्तर दिया, वह मैंने देखा है। आपने जवाब दिया है कि ये योजनाएं सम्भावित होंगी, बुनकरों का कर्जा माफ किया जाएगा, बुनकरों पर यह केन्द्रित किया जाएगा। एक और समस्या है, जो बुनकरों से ही सम्बन्धित है। बनारस, गाजीपुर और मऊ में बुनकरों के पास जो तैयार माल होता है, उसको सीधे बाजार में बेचने की उनके पास कोई उचित व्यवस्था नहीं है, जिसके कारण ये बुनकर बिचौलियों के द्वारा अपनी साड़ियां कम मूल्य में दुकानदारों को बेचने के लिए तैयार हो जाते हैं।

क्या केन्द्र सरकार बनारसी साड़ियों के बुनकरों को सीधे खरीद बाजार में पहुंचाने के लिए कोई व्यवस्था करेगी? यह समस्या हमारे क्वेश्चन से ही सम्बन्धित है।

श्री आनन्द शर्मा : बनारस में साड़ी बनाने की परम्परा बहुत पुरानी है और देश को इस पर गर्व है। बनारसी साड़ी के बुनकरों के लिए केन्द्र सरकार की योजना है, वह केवल उनके व्यवसाय से ही सम्बन्धित नहीं है। उनकी जो पूरी कला है, वह बची रहे, इसके लिए केन्द्र की सरकार से जितना भी समर्थन सम्भव है, वह दिया जा रहा है।

साड़ियों की मार्किटिंग के लिए, मार्किटिंग प्रमोशन की स्कीम्स हैं, मार्किटिंग प्रमोशन के फेयर लगाए जाते हैं। मैं सदन को उसका पूरा विस्तृत ब्यौदा दे सकता हूं। चाहे वह राज्यों के अन्दर ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती कुसुम राय : आप केन्द्र सरकार की नीतियों ...**(व्यवधान)**...

श्री आनन्द शर्मा : मैं जवाब दे रहा हूं। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप बैठ जाइए ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती कुसुम राय : सर, यह बहुत बड़ी समस्या है ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप जरा बैठ जाइए और पहले पूरा जवाब सुन लीजिए ...**(व्यवधान)**...

श्री आनन्द शर्मा : सर, मैं स्वयं अभी अधिकारियों के साथ वाराणसी और मऊ गया था, यह जानकारी हासिल करने के लिए कि इन योजनाओं को जमीनी तौर पर कैसे अमली जामा पहनाया जा रहा है, इम्प्लिमेंट किया जा रहा है। इसमें उनके हेल्थ इंश्योरेंस के लिए हेल्थ कार्ड, साथ ही क्रेडिट कार्ड डिस्ट्रीब्यूशन भी शामिल है। मार्किटिंग के लिए मैंने स्वयं यह निर्देश दिया है कि दिल्ली हाट के ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती कुसुम राय : मान्यवर, माननीय मंत्री जी चुनावी सभा नहीं कर रहे हैं। करेंगे, कराएंगे, करते रहेंगे ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN : Please don't interrupt. आप बैठ जाइए ...**(व्यवधान)**...

श्री आनन्द शर्मा : दिल्ली हाट के अन्दर पहले उनको केवल एक सप्ताह का ही समय मिलता था। अब हमने कहा है कि दिल्ली में जब सबसे ज्यादा टूरिस्ट आते हैं, नवम्बर महीने से लेकर मार्च महीने तक, उस समय उनको डीसी हैंडलूम्स और हमारी एजेंसीज़ की मदद से समर्थन दिया जाए, ताकि दिल्ली हाट में उनका पार्टिसिपेशन हो सके।

बनारसी साड़ी बनाने वालों के आने का खर्चा और उनके द्वारा जो साड़ियाँ बनाई जाती हैं, उनको दिखाने और बेचने का पूरा समर्थन भी हमारी तरफ से दिया जाता है।

श्री सालिम अन्सारी : सभापति जी, आपके माध्यम से मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा, पूर्वांचल में मऊ, मुबारकपुर और गाज़ीपुर में बड़े पैमाने पर बुनकर हैं। पहले सरकार उनका तैयार किया हुआ माल खरीदती थी, लेकिन अब सरकार माल नहीं ले रही है। वह बुनकर बाजार में माल बेच नहीं सकते, क्योंकि उनके पास इतनी पूंजी ही नहीं है। क्या सरकार इसकी व्यवस्था करेगी और जैसे पहले वह माल खरीदती थी, वैसे खरीदेगी?

इसके साथ ही मैं यह भी पूछना चाहता हूं कि अपने मूल धंधे से हट कर आज बुनकरों का जो पलायन हो रहा है, क्या सरकार के पास उनको फिर से अपने मूल धंधे पर ले जाने की कोई योजना है?

श्री आनन्द शर्मा : सभापति महोदय, अगर माननीय सदस्य उत्तर को देखें, तो मैंने प्रश्न के उत्तर में तमाम उन योजनाओं का पूरा ब्यौरा दिया है। दो बड़ी योजनाएँ, जो केन्द्र की कैबिनेट ने सैंक्शन की हैं, उनके साथ-साथ ...**(व्यवधान)**...

श्री ब्रजेश पाठक : माननीय सभापति महोदय, माननीय सदस्य का जो सवाल है, माननीय मंत्री जी उसका गलत जवाब दे रहे हैं। ...**(व्यवधान)**... माननीय सदस्य का सवाल यह है कि ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप पूरा जवाब तो सुन लीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री ब्रजेश पाठक : जनता धोती केन्द्र सरकार खरीदती थी ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : नहीं, नहीं। ...**(व्यवधान)**... प्लीज़ ...**(व्यवधान)**...

श्री ब्रजेश पाठक : क्या जनता धोती खरीदने का काम केन्द्र सरकार करेगी या नहीं? ...**(व्यवधान)**... इतना-सा सवाल है। ...**(व्यवधान)**...

एक माननीय सदस्य : सीधे-सीधे इसके बारे में बताएँ। ...**(व्यवधान)**... सवाल क्या है, जवाब क्या दे रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री आनन्द शर्मा : यह एक गम्भीर विषय है, इसलिए इसको उतनी ही गम्भीरता से लें, मेरा यह विनम्र निवेदन है। बुनकरों की जो समस्या है, वह सब की चिन्ता का विषय है, पूरे सदन की और सरकार की भी। इसीलिए, सरकार ने इसमें हस्तक्षेप किया है। ...**(व्यवधान)**...

श्री अली अनवर अंसारी : सर, ...**(व्यवधान)**... जो सवाल किया गया है, उसका जवाब दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**... You cannot do this. ...**(व्यवधान)**...

श्री ब्रजेश पाठक : सर, ...**(व्यवधान)**... इस सवाल का जवाब आना चाहिए ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**... No, no. You cannot do this. ...**(व्यवधान)**... No, no. None of this is going on record. ...(*Interruptions*)...

श्री अली अनवर अंसारी : *

श्री ब्रजेश पाठक : *

श्री सभापति : आप लोग वक्त वेस्ट कर रहे हैं और अभी कुछ नहीं हो रहा है। ...**(व्यवधान)**... आप बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**... Please, allow the Question Hour to proceed. ...(*Interruptions*)... अगर आप लोग सप्लिमेंटरीज़ नहीं चाहते हैं, तो I will go on to the next Question. Do you want that? ...(*Interruptions*)...

श्री नरेश अग्रवाल : सर, इसमें हमें भी सप्लिमेंटरी क्वेश्चन करने का मौका दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : नहीं, नहीं। तब आप इस तरह से तो नहीं कर सकते? ...**(व्यवधान)**... आप बैठ जाइए। Can you please finish it?

श्री आनन्द शर्मा : सर, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न किया, सरकार पिछले 15 वर्षों से खरीद नहीं कर रही है, लेकिन सरकार उनको कर्ज में, कर्ज की रियायत में मदद देती है और जो hank yarn है, उसमें 10 प्रतिशत की सब्सिडी देती है, ताकि बुनकरों को, जो सूत है, ...**(व्यवधान)**...

श्री ब्रजेश पाठक : सर, ...**(व्यवधान)**... नहीं खरीदने का कारण क्या है, वह बताइए? ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप बैठ जाइए, प्लीज़। ...**(व्यवधान)**...

श्री आनन्द शर्मा : यह प्रश्न खरीद से सम्बन्धित नहीं है। यह प्रश्न योजनाओं से सम्बन्धित है। मैं उसका विस्तृत ब्यौरा सदन के दे रहा हूँ। ...**(व्यवधान)**...

श्री ब्रजेश पाठक : सर, ...**(व्यवधान)**... उनकी चिन्ता पूरे सदन में दिखाने का काम आप कर रहे हैं। ...**(व्यवधान)**... लेकिन, बुनकरों का पलायन क्यों नहीं बन्द हुआ? ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आपने तो यह सवाल नहीं पूछा? ...**(व्यवधान)**...

श्री साबिर अली : सर, लेकिन सवाल का जवाब तो मिलना चाहिए1 ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**...

---

* Not recorded.

श्री सालिम अन्सारी : सर, ...(**व्यवधान**)... सवाल में पूछा गया है कि ...(**व्यवधान**)... मेरे सवाल का जवाब नहीं आया। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप जवाब सुनना चाहते हैं या नहीं? Or, should I go to the next question? ...(**व्यवधान**)... Then, please listen to the answer. ...(*Interruptions*)...

श्री आनन्द शर्मा : सर, मैं माननीय सदस्य को ...(**व्यवधान**)...

श्री ब्रजेश पाठक : सर, ये तैयारी करके नहीं आते हैं और जवाब उल्टा-सीधा देते हैं। * ...(**व्यवधान**)...

श्री आनन्द शर्मा : सर, यह बड़ी अफसोस की बात है। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN : Please, don't make allegations. ...(*Interruptions*)...

श्री आनन्द शर्मा : सर, यह दुर्भाग्य की बात है। मैं पूरी विस्तृत जानकारी सदन को दे रहा हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आपने अपने-अपने सवाल पूछ लिए हैं। अब आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)...

श्री आनन्द शर्मा : सर, मैं वही उत्तर दूँगा, जो तथ्यों पर आधारित है। मैं वही उत्तर दे सकता हूँ, जिसमें केन्द्र की कैबिनट ने स्वीकृति दी है। मैं वही उत्तर दे सकता हूँ, जिस योजना को इम्प्लिमेंट किया जा रहा है। ...(**व्यवधान**)...

श्री ब्रजेश पाठक : यह स्वीकार कीजिए कि बुनकरों के लिए केन्द्र सरकार नहीं चाहती। आपकी चिन्ता जो है, वह * ...(**व्यवधान**)...

श्री अली अनवर अंसारी : सिर्फ वोट के समय आप उनको याद करते हैं। ...(**व्यवधान**)... पिछले हफ्ते वाराणसी में ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN : Hon. Members, I am afraid, I am compelled to go on to the next Question, because we cannot take more time on one question. It is on the demand ...(*Interruptions*)... Sorry. ...(*Interruptions*)... If everybody is going to talk at the same time, ...(*Interruptions*)... If everybody is going to talk at the same time, the Question Hour cannot proceed. ...(*Interruptions*)... Please sit down. ...(*Interruptions*)...

श्री प्रकाश जावडेकर : सर, ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : देखिए, प्रकाश जी, यह सवाल न आपका है और न उनका है, इसलिए कृपया आप लोग बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रकाश जावडेकर : सर, उनका सीधा सवाल है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : कृपया आप लोग बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश अग्रवाल : सर, यह उत्तर प्रदेश के बुनकरों का सवाल है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : इस तरह से आपको नहीं मिल सकता है। ...(**व्यवधान**)... No. ...(*Interruptions*)... I am sorry; I will not give it to you. ...(*Interruptions*)...

---

* Not recorded.

श्री नरेश अग्रवाल : सर, यह उत्तर प्रदेश के बुनकरों का सवाल है। ...**(व्यवधान)**...

श्री अली अनवर अंसारी : सर, यह बुनकरों का सवाल है। ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN : I am sorry. ...(*Interruptions*)...

श्री नरेश अग्रवाल : सर, यह अंसारी बिरादरी के साथ ज्यादती होगी। ...**(व्यवधान)**...

श्री अली अनवर अंसारी : सर, यह एक स्टेट का सवाल नहीं है। ...**(व्यवधान)**... आन्ध्र के बच्चे, आन्ध्र की औरतें, महाराष्ट्र की औरतें दिल्ली में ...**(व्यवधान)**... उत्तर प्रदेश के लोग दिल्ली में आकर रिक्शा चलाते हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : मूल प्रश्न न आपने पूछा था और न आपने पूछा था। ...**(व्यवधान)**...

श्री अली अनवर अंसारी : सर ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवाल : सर ...**(व्यवधान)**...

श्री साबिर अली : सर ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN : Does anyone have a constructive suggestion? ...(*Interruptions*)...

श्री अली अनवर अंसारी : सर ...**(व्यवधान)**...

श्री साबिर अली : सर ...**(व्यवधान)**...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : Let us have a Half-an-Hour Discussion. ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN : Please. ...(*Interruptions*)... Somebody has to give a notice. ...(*Interruptions*)...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : We will have a discussion. ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति : आप वेल में नहीं आएंगे। ...**(व्यवधान)**... आप वेल में नहीं आएंगे। ...**(व्यवधान)**...

श्री प्रकाश जावडेकर : सर ...**(व्यवधान)**...

श्री अली अनवर अंसारी : सर ...**(व्यवधान)**...

श्री सालिम अन्सारी : सर ...**(व्यवधान)**...

श्री साबिर अली : सर ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : देखिए, सवाल आपने नहीं पूछा। ...**(व्यवधान)**... आपने सवाल ही नहीं पूछा। ...**(व्यवधान)**... The House is adjourned for ten minutes.

The House then adjourned at
twenty-two minutes past eleven of the clock.

The House reassembled at thirty-two minutes past eleven of the clock, MR. CHAIRMAN in the Chair.

श्री नरेश अग्रवाल : माननीय सभापति जी, ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : एक मिनट, मेरी बात सुन लीजिए। ...**(व्यवधान)**... आप एक मिनट मेरी बात सुन लीजिए ...**(व्यवधान)**... Please listen to me. It is evident that the matter which was raised in the first Question cannot be settled through supplementaries or even satisfactory answers given to that. So, let a notice be given for a discussion and we shall take it up later.

श्री नरेश अग्रवाल : यह तो टालने वाली बात है। ...**(व्यवधान)**... माननीय सभापति जी, ..

MR. CHAIRMAN : Can we take up the next Question? ...**(व्यवधान)**... आप वेल में नहीं आएंगे। ...**(व्यवधान)**... Let me tell you something. ...(*Interruptions*)... If you do not want the Question Hour, say so. I am sorry to say. इस तरह से जवाब नहीं मांगा जाएगा। ...**(व्यवधान)**... इस तरह से जवाब नहीं मांगा जाएगा। आप अपनी जगह पर वापस जाइए। ...**(व्यवधान)**...

The House is adjourned till 12 noon.

The House then adjourned at thirty-three minuts past eleven of the clock.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Strategy to make Delhi and NCR safer for women

*562. SHRI BAISHNAB PARIDA : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government has identified strategy to make nation's rape capital (Delhi and NCR) safer for women;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether the major reasons for this menace have been identified by certain sections of women in the capital city;

(d) if so, the details thereof;

(e) whether some agency has also identified the main causes to the above menace with possible solutions; and

(f) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI JITENDRA SINGH) : (a) and (b) Sir, the National Capital Region (NCR) constitutes, apart from Delhi, districts from neighbouring states like Uttar Pradesh, Rajasthan and Haryana.